



हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II

विशेष डायरी

हमीरपुर: 22 मई 2026



डॉ. सुनील चौहान ने परियोजना गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु डिजाइन विकसित करने के निर्देश दिए



हमीरपुर, 22 मई:

हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II के राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई (SPMU) के अधिकारियों तथा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (PMC) के विशेषज्ञों की एक संयुक्त बैठक यहाँ परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में परियोजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक का मुख्य फोकस कृषि व्यवसाय गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने, सप्लाय चेन तंत्र को बेहतर करने तथा परियोजना गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने पर रहा।

डॉ. सुनील चौहान ने PMC विशेषज्ञों को निर्देश दिए कि वे

परियोजना गतिविधियों के उचित एवं प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए तुरंत डिजाइनों पर कार्य करें। उन्होंने यह भी जोर दिया कि समन्वय एवं निगरानी को बेहतर बनाने के लिए फील्ड विजिट कार्यक्रमों पर उप परियोजना निदेशकों (DPDs) के साथ चर्चा की जाए, ताकि संयुक्त क्षेत्रीय भ्रमण एवं परियोजना गतिविधियों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके।

बैठक में उन क्षेत्रों में सप्लाय चेन तंत्र की पहचान एवं सुदृढ़ीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई, जहाँ सक्रिय CIGs, SHGs तथा FPOs कार्यरत हैं, ताकि बेहतर बाजार संपर्क एवं परियोजना हस्तक्षेपों की स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

PMC विशेषज्ञों के क्षेत्रीय दौरों के दौरान दिए गए सुझावों एवं टिप्पणियों

के समयबद्ध अनुपालन तथा नियमित फील्ड सुपरविजन के माध्यम से समन्वय एवं निगरानी को मजबूत बनाने पर भी विशेष बल दिया गया।

यह भी निर्णय लिया गया कि PMC विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत मासिक प्रगति रिपोर्टों की नियमित रूप से उचित जांच एवं समीक्षा की जाएगी। इसके अतिरिक्त, अंतराल विश्लेषण (Gap Analysis) तथा फील्ड स्तर पर क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाने के लिए PMC विशेषज्ञों द्वारा PMUs हेतु त्रैमासिक प्रशिक्षण-प्रशिक्षक (ToT) कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसके साथ ही, PMC विशेषज्ञों द्वारा 16 उप-परियोजनाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिन्हें बाद में विस्तार अधिकारियों द्वारा जमीनी स्तर पर आगे प्रसारित किया जाएगा।